मासिक रिपोर्ट

मसाले

सितंबर 2023

smc

moneywise. be wise.

हल्दी

प्रमुख उत्पादक राज्यों में आवश्यक वर्षा की अनिश्चितता के कारण अगस्त में हल्दी की कीमतों में भारी उतार–चढ़ाव देखा गया। धीमी बुआई प्रगति और हल्दी के रकबे में गिरावट की रिपोर्ट से कीमतों में मजबूती आई, जिससे एनसीडीईएक्स पर कीमतें 18076 के अब तक के उच्चतम स्तर की ओर बढ़ गई। लेकिन, बाद में इतने ऊंचे स्तर पर मांग की चिंता के कारण कीमतों में सुधार हुआ। नयी निर्यात पूछताछ में गिरावट आई है, जिससे स्टॉकिस्टों ने बेहतर कीमतों की प्राप्ति के कारण अपने स्टॉक जारी करना शुरू कर दिया। एनसीडीईएक्स पर कीमतें 18076 के उच्चतम स्तर को छूने के बाद अगस्त महीने में 15086 पर बंद हुई। मौसम की स्थिति में सुधार के कारण सितंबर में भी हल्दी में कमजोरी जारी रही। सितंबर में तेलंगाना में मानसून की बारिश फिर से शुरू होने से फसल की प्रगति में मदद मिली, जिसका असर बाजार के सेंटीमेंट पर पड़ा।

Table 1: Rainfall status (Week and season)

Region	WEEK 31.08.2023 TO 06.09.2023			SEASON 01.06.2023 TO 06.09.2023		
	Actual	Normal	% Dep	Actual	Normal	% Dep
EAST & NORTH-EAST INDIA	28.8	68.6	-58%	931.3	1144.3	-19%
NORTH-WEST INDIA	5.6	35.2	-84%	505.8	515.6	-2%
CENTRAL INDIA	28.6	56.1	-49%	744.9	847.8	-12%
SOUTH PENINSULA	66.4	36	85%	523.6	586.6	-11%
Country as a whole	29	47.7	-39%	657.6	741.6	-11%

अप्रैल–23–सितंबर–23 की समयावधि के दौरान हल्दी की कुल आवक 229 हजार टन दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष यह 197 हजार टन थी। वर्ष 2023 में अधिक आवक के बावजूद, बाजार में हल्दी की प्रीमियम गुणवत्ता की कमी के कारण कीमत ऊंची बनी रही। बाजार में आने वाली अधिकांश आवक निम्न गुणवत्ता की थी। अधिक कीमतों के कारण हाल के सप्ताहों में निर्यात में भी गिरावट हुई है। भारत ने अप्रैल–जून–23 के दौरान पिछले वर्ष के 49.4 हजार टन की तुलना में लगभग 57.7 हजार टन का निर्यात किया। बांग्लादेश, मोरक्को और चीन भारतीय हल्दी के सबसे बड़े खरीदार रहे। हाल के सप्ताहों में चीन से मांग घटी है और इसका असर भारत से होने वाले कुल निर्यात पर देखा जा रहा है। भारत ने जून–23 में पिछले वर्ष के 18.5 हजार टन के मुकाबले लगभग 18.35 हजार टन का निर्यात किया। अक्टूबर से निर्यात मांग बढ़ने की उम्मीद है जिससे कीमतों में मजबूती आएगी।

हल्दी

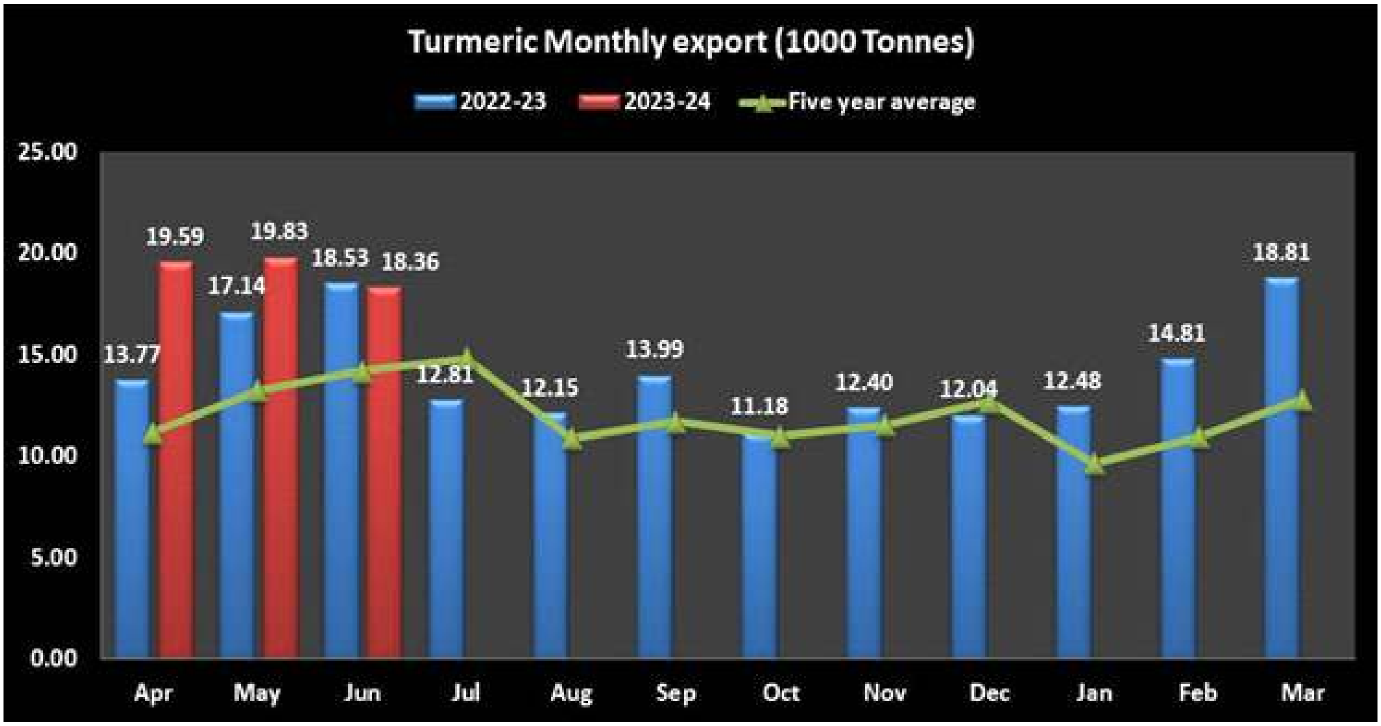

सितंबर में विशेषकर महाराष्ट्र में अच्छी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर फसल की स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है। लेकिन, त्योहारी खरीदारी बढ़ने के बीच गुणवत्तापूर्ण फसल की सीमित उपलब्धता के कारण कीमतों की गिरावट पर अंकुश लगेगा। आगामी सीजन के लिए फसल की संभावनाएं कमजोर हैं क्योंकि मुख्य रूप से महाराष्ट्र और तेलंगाना में हल्दी का रकबा कम हो गया है, जिससे कीमतों में हर गिरावट के साथ मिलों की ओर से हल्दी की खरीददारी हो सकती है।

अक्टूबर में हल्दी की कीमतों के 1230 –18100 के दायरे में रहने की संभावना है।

हल्दी मासिक चार्ट

smc
moneywise. be wise.

जीरा

सुस्त निर्यात मांग के कारण अगस्त-23 में जीरा की कीमतों में गिरावट हुई। मौसम की स्थिति में सुधार के साथ आवक बढ़ने से बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ा और कीमतों में गिरावट के डर से स्टॉकिस्टों ने अपना स्टॉक कम कर दिया। अगस्त-23 में 64000 के उच्चतम स्तर को छूने के बाद, महीने के अंत तक जीरा की कीमतें गिरकर 54824 पर आ गई। लेकिन, सितंबर के पहले सप्ताह में भौतिक बाजार में नयी त्योहारी खरीदारी के कारण कीमतें तेजी से बढ़ीं। घटती आवक और निर्यात में रिकवरी से कीमतों में मजबूती आई है। कीमतें वर्ष 2023 में इसके मौसमी सूचकांक के अनुरूप बढ़ीं। पिछले वर्ष के 121.2 हजार टन की तुलना में अप्रैल 23-सितंबर 23 के दौरान लगभग 94 हजार टन जीरा की आवक हुई।

जीरा मासिक चार्ट

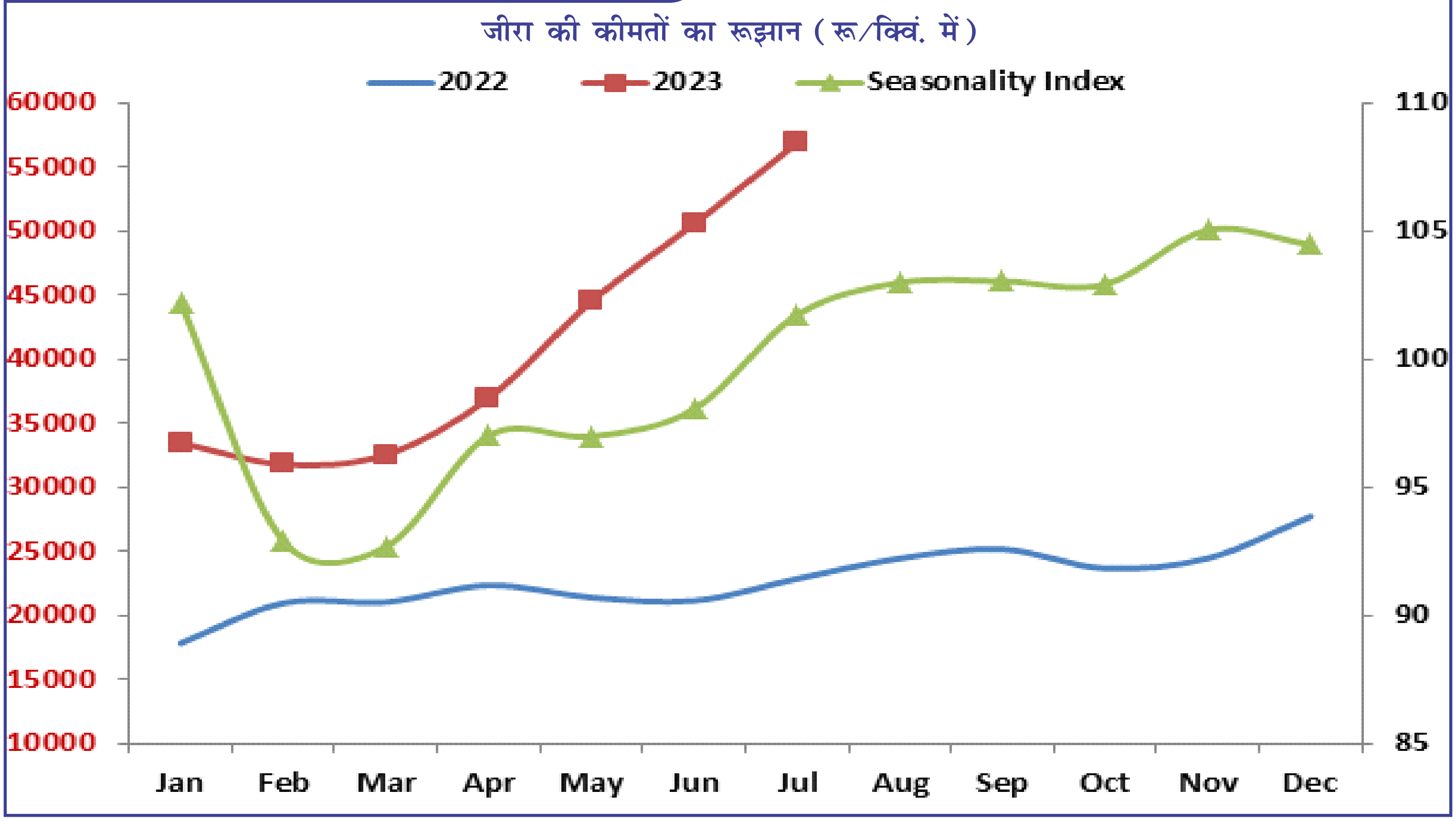

एफआईएसएस के अनुमानों के अनुसार, इस साल जीरे की मांग 85 लाख बैग से अधिक होने का अनुमान है, जबकि अपेक्षित उत्पादन 65 लाख बैग है। लेकिन सुस्त निर्यात मांग अभी भी भारतीय व्यापारियों के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि भारतीय जीरे की कीमतें वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं रहीं, जिससे विदेशी मांग कम रही। जुलाई-अगस्त का आधिकारिक निर्यात आंकड़ा आने वाला है जो कीमतों के आगे के रुझान को तय करेगा। भारत ने जून में पिछले वर्ष के 20.4 हजार टन की तुलना में लगभग 9.2 हजार टन जीरा निर्यात किया। अप्रैल-जून 2023 के दौरान, जीरा निर्यात 2022 की समान अवधि की तुलना में 13.16% बढ़कर 53,399.65 टन तक पहुंच गया। आगे त्योहारी मांग के मद्देनजर कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा वर्ष की अंतिम तिमाही में नई फसल की बुआई भी शुरू हो जाएगी, जो जीरे की कीमतों के लिए प्रमुख कारक होगी। वर्ष 2023 में जीरा की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के मद्देनजर, नई फसल के लिए जीरा का उत्पादन क्षेत्र उल्लेखनीय रूप से बढ़ने का अनुमान है। कमजोर फसल के कारण पाइपलाइन में जीरा नही हैं और जब तक नई फसल बाजार में नहीं आती, स्टॉक कम रहने की संभावना है।

आने वाले महीनों में जीरा की कीमतों के 57000-68000 के दायरे में रहने की संभावना है।

धनिया

बाजार में पर्याप्त आपूर्ति के कारण अगस्त में धनिया की कीमतों में नरमी रही। अधिक स्टॉक के मुकाबले कमजोर घरेलू खरीदारी से कीमतों पर दबाव रहा। इस महीने धनिया की कीमतें 7072 पर बंद हुईं। सीमित घरेलू खरीदारी के कारण सितंबर में भी कीमतें दबाव में रहीं। फसल का आकार बड़ा होने के कारण वर्ष 2023 में आवक अधिक रही। पिछले वर्ष के 129 हजार टन की तुलना में अप्रैल 23-सितंबर 23 के दौरान लगभग 335.8 हजार टन धनिया की आवक हुई। कीमतें मौसमी रूझान के अनुरूप बढ़ीं और अगस्त-सितंबर में साइडवेज रहीं।

धनिया मासिक चार्ट

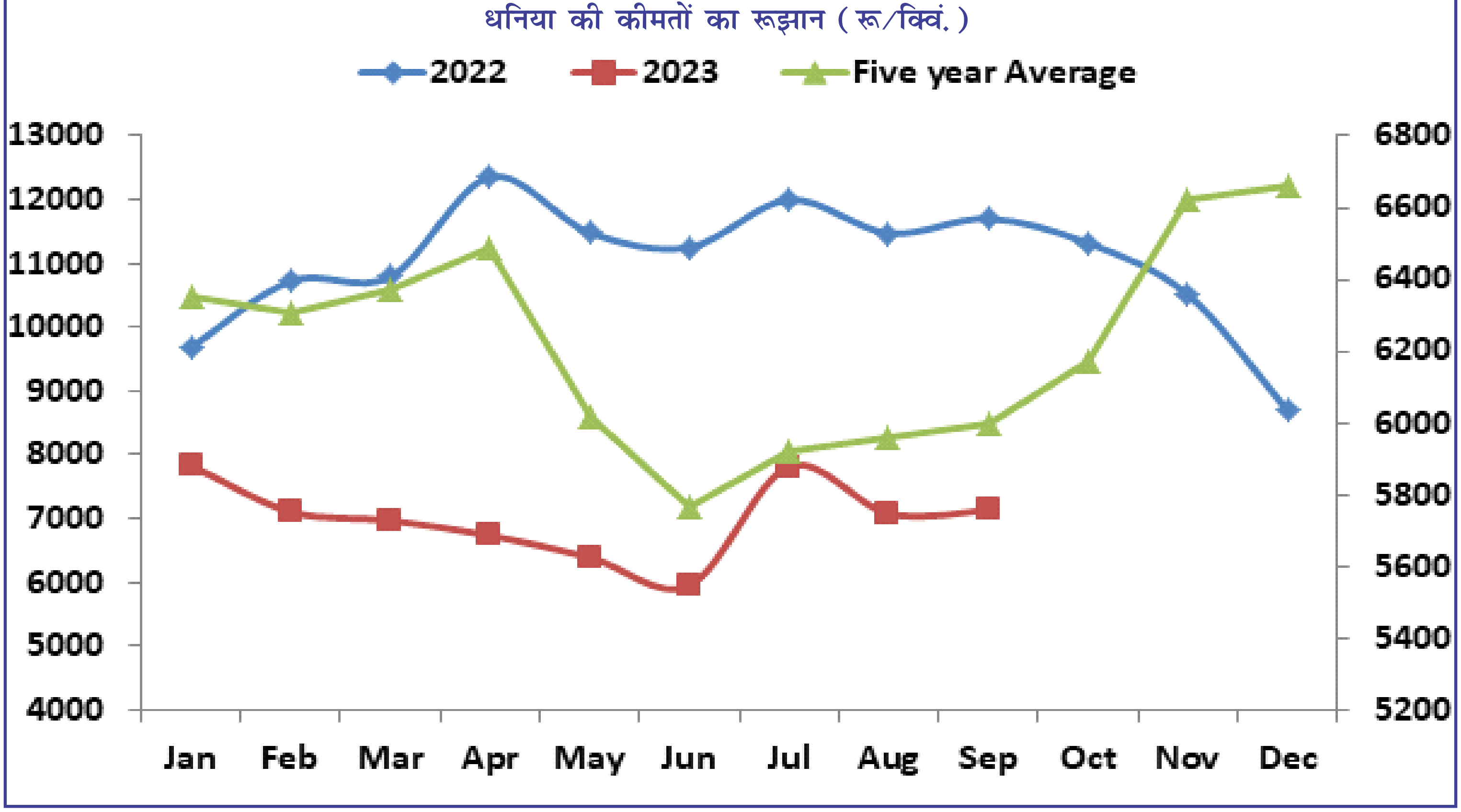

पर्याप्त घरेलू आपूर्ति के कारण धनिया वायदा(अक्टूबर) की कीमतों में गिरावट की संभावना है, जिससे घरेलू खरीदारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। लेकिन निर्यात मांग में सुधार से कीमतों की गिरावट पर लगाम लगेगी। भारत ने जून-23 में पिछले वर्ष के 2.4 हजार टन की तुलना में लगभग 11.3 हजार टन धनिया का निर्यात किया। भारत ने अप्रैल-जून-23 की समयावधि के दौरान पिछले वर्ष के 8.7 हजार टन के मुकाबले लगभग 46.7 हजार टन का निर्यात किया। वर्ष 2023 में चीन, मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात भारतीय धनिये के प्रमुख खरीदार रहे हैं। आगे चलकर, कीमतों में मौसमी बदलाव के कारण कीमतें बढ़ने की उम्मीद है। त्योहारी मांग बढ़ने की उम्मीद से कीमतों में मजबूती को सपोर्ट मिलेगा. इसके अलावा वर्ष की अंतिम तिमाही में नई फसल की बुआई भी शुरू हो जाएगी, जो धनिया की कीमतों के लिए प्रमुख कारक होगा। धनिया की अच्छी कीमत मिलने के कारण धनिया का उत्पादन क्षेत्र बढ़ने का अनुमान है।

आने वाले महीने में धनिया की कीमतें 6700-8000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

वंदना भारती	एवीपी कमोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
रवि पाण्डेय	सीनियर रिसर्च एनॉलिस्ट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 674	ravi16@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

smc
moneywise. be wise.

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं। यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।